हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 18 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 34 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .0 डिग्री

11 राजनीति जनता व जन प्रतिनिधियों के बीच विश्वास का बंधनः आरती

12 मंदिरों में देर रात्रि तक रही जन्माष्टमी पर्व की धूम ...

खबर संक्षेप

मारपीट व धमकी मामले में चार गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मालाहेड़ा में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में दाखिल घायल के बयान पर 10 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उन पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने मालाहेड़ा निवासी दिनेश, कृष्ण, सत्यपाल व राजपाल को गिरफ्तार किया है। बाद चारों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसों में तीन आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 27 जुलाई को हुए सड़क हादसे में आरोपी चालक राजस्थान के बहली निवासी जमशेद को गिरफ्तार किया है। रामपुरा थाना पुलिस ने 3 मई को हुए सड़क हादसे के आरोपी गुवालदा निवासी विवेक को गिरफ्तार किया है। 19 अगस्त को हुए हादसे में आरोपी चालक चामरोदा निवासी शाहरुख को गिरफ्तार किया है। बाद में तीनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री ने बताया अस्पताल की जगह को उपयुक्त

अस्पताल निर्माण की मांग पर आंदोलन को झटका मौजूदा अस्पताल के पुनर्निर्माण के दिए संकेत

■ राव इंद्रजीत सिंह से 'पंगा' फेर रहा ग्रामीणों की उम्मीदों पर पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रामगढ़ भगवानपुर में दो माह से सिविल अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर चल रहे धरने ने प्रदेश सरकार पर किसी तरह का कोई दबाव बनाने में कामयाबी हासिल नहीं की है। आंदोलन को रविवार को उस समय एक बार फिर झटका लग गया, जबकि प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शहर के मौजूदा अस्पताल की जगह को ही सबसे उपयुक्त बताते हुए इसी जमीन पर नई बिल्डिंग का निर्माण कराने के संकेत दे दिए। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के साथ टकराव और विरोध की नीति ने रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की संभावनाओं पर लगभग पानी फेर दिया है। रामगढ़ भगवानपुर की पंचायत ने सरकार को वाटर टैंक निर्माण के लिए लगभग 10 एकड़ जमीन दी थी। ग्रामीणों का दावा है कि राव इंद्रजीत सिंह ने पानी की जमीन देने पर इसी गांव में सिविल अस्पताल का

रेवाड़ी। रामगढ़ भगवानपुर में धरने पर बैठे ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

निर्माण कराने का भरोसा दिया था। गत 15 जून को सीएम नायब सिंह के रेवाड़ी आगमन पर ग्रामीणों को इस बात की भनक लग गई थी कि सिविल अस्पताल दूसरे गांव में बनवाने की योजना को अमल में लाया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने खुद अस्पताल निर्माण को गंभीरता से लेते हुए कई गांवों में जमीन का निरीक्षण किया था। रामगढ़ भगवानपुर के ग्रामीणों को जब अस्पताल हाथ से निकलता हुआ दिखाई दिया, तो 16 जून को ग्रामीण केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह से मिलने के लिए उनके रामपुरा निवास पहुंचे थे। चूंकि राव को आवश्यक मीटिंग के चलते दिल्ली जाना था, इसलिए वह ग्रामीणों को मुलाकात का समय नहीं दे पाए थे। इसके बाद ग्रामीणों ने राव इंद्रजीत सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उनकी एक फोन पर सरपंच प्रतिनिधि के साथ हुई बातचीत की ऑडियो भी वायरल की गई थी, जिसमें राव रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल खुलवाने का आश्वासन दे चुके थे।

आपत्तिजनक टिप्पणी ने किया रास्ता बंद

ग्रामीणों ने राव इंद्रजीत सिंह पर वादा खिलाफी के आरोप लगाते हुए 17 जून से गांव के बस स्टैंड पर धरना शुरू कर दिया था। राव इंद्रजीत सिंह के विरोध की राजनीति करने वाले लोगों ने आंदोलन में सक्रियता बढ़ाना शुरू कर दिया था। 29 जून को धरनास्थल पर एक महापंचायत हुई, जिसमें बाहर से आए कुछ लोगों ने कैबिनेट मंत्री आरती राव के प्रति अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था। राव ने इस पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की संभावनाओं को भी शून्य तक पहुंचाने के संकेत दे दिए थे।

शहर में ही अस्पताल रखने की मांग उठी

रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर धरना शुरू किए जाने के बाद शहबाजपुर के ग्रामीणों ने भी उनके गांव में अस्पताल खुलवाने की मांग उठाना शुरू कर दिया था। इसके बाद राव खेमे से जुड़े शहर के लोगों ने 'बीच का रास्ता' निकालने के लिए सिविल अस्पताल को शहर में ही रखने की मांग उठाना शुरू कर दिया, जिसे काफी हद तक सही भी माना जा रहा है। शहर के लोगों का तर्क है कि जिला स्तरीय अस्पताल मुख्यालय पर ही बनना चाहिए। इस मांग का केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी समर्थन कर चुके हैं।

कैबिनेट मंत्री आरती राव के स्पष्ट संकेत

रविवार को आरती राव धन्यवादी दौर के तहत गंगायचा अहीर गांव में पहुंची थीं। उन्होंने अस्पताल निर्माण के सवाल पर कहा कि शहर के मौजूदा अस्पताल की लगभग 8.5 एकड़ जमीन है। इसी जमीन पर अस्पताल का नए सिरे से निर्माण कराया जा सकता है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग अगर तैयार होता है, तो इसी जगह जमीन को ऊंचा उठाकर नए भवन का निर्माण कराया जाएगा।

उन्होंने सिविल अस्पताल की जमीन को नए अस्पताल निर्माण के लिए सबसे बेहतर व उपयुक्त करार देते हुए नांगल भगवानपुर के धरने को झटका देने का काम कर दिया है।

बरसात में बदहाल होती है तस्वीर

सिविल अस्पताल निचाई वाले स्थान पर होने के कारण बरसात के समय इसमें जलभराव हो जाता है। अस्पताल के पास लगभग 8.5 एकड़ जमीन है। लोक निर्माण विभाग अगर इसे उपयुक्त मानता है, तो इसी जगह पर नए सिरे से अस्पताल का निर्माण कराना सही रहेगा।
-आरती सिंह राव, स्वास्थ्य मंत्री।

दबाव बनाने के हर कदम उठा रहे ग्रामीण

रामगढ़ भगवानपुर व आसपास के ग्रामीण अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर दो माह पूर्व शुरू किए गए धरने को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। महापंचायत के बाद ग्रामीण जिला मुख्यालय तक 13 जुलाई को पैदल कूच कर चुके हैं। इसके बाद कैंडल मार्च के सहारे सरकार पर दबाव बनाने के पूरे प्रयास किए जा चुके हैं, परंतु अभी तक आंदोलन सरकार पर किसी तरह का दबाव बनाने में सफल होता नजर नहीं आ रहा है। अब स्वास्थ्य मंत्री की 'दो टूक' ने यह साफ कर दिया है कि राव इंद्रजीत सिंह से 'पंगा' लेने के बाद रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की राह आसान नहीं रही है।

रेवाड़ी। विजेता टीम संघ के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ। फोटो :हरिभूमि

जिला स्तरीय सब-जूनियर बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में डॉन बॉस्को व टैगोर स्कूल की टीम बनी विजेता

रेवाड़ी। जिला बास्केटबॉल संघ की ओर से रविवार को बिठवाना के राजीय विद्यालय में जिला स्तरीय सब-जूनियर बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 11 टीमों ने भाग लिया, जिनमें चार टीमें महिला वर्ग और सात टीमें पुरुष वर्ग की थी। महिला वर्ग में डॉन बॉस्को स्कूल की टीम विजेता, भूड़ला की टीम उपविजेता और बिठवाना की टीम तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में टैगोर स्कूल की टीम विजेता, संगवाड़ी की टीम उपविजेता और बिठवाना की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों में से चयनित खिलाडी 22 अगस्त से गुरुग्राम में आयोजित होने जा रही राज्य स्तरीय सब-जूनियर बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता में रेवाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

रेवाड़ी। करंट लगने से व्यक्ति की मौत के बाद अस्पताल में मौजूद परिजन व अन्य। फोटो :हरिभूमि

मंदिर में लाइटें लगाते समय हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

रेवाड़ी। जन्माष्टमी पर मंदिर में लाइटें लगाते समय हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत हो गई। शनिवार को गांव माहेश्वरी निवासी 55 वर्षीय हरकेश गोयल कॉलोनी स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में लाइटें लगाने का कार्य कर रहा था। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक हरकेश पेशे से टेंट व्यवसाय करता था। कॉलोनी निवासी मुन्ना, महेंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, शमशेर सिंह व नरेंद्र जांगिड़ ने बताया कि इससे पहले भी शिवरात्रि पर एक महिला इस लाइन की चपेट में आई थी, हालांकि उसे समय रहते बचा लिया गया था। उन्होंने बिजली निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार शिकायत के बावजूद लाइन को न तो ऊंचा किया गया और न ही हटाया गया, जिससे क्षेत्रवासियों के लिए रोजाना खतरा बना हुआ है। गांव के लोगों ने मृतक के परिवार को मुआवजा देने और निगम के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

धारूहेड़ा क्षेत्र से 26 वर्षीय युवती लापता

रेवाड़ी। धारूहेड़ा क्षेत्र से एक 26 वर्षीय युवती के लापता हो गई। युवती के भाई की शिकायत पर सेक्टर-6 धारूहेड़ा थाना पुलिस में गुमशुदगी का केस दर्ज कर लिया है। लापता युवती मूल रूप से उत्तर प्रदेश के गांव की रहने वाली है तथा वर्तमान में अपने परिवार के साथ धारूहेड़ा स्थित एक कॉलोनी में किराए के मकान में रह रही थी। युवती 14 अगस्त को सुबह 9 बजे बिना किसी को बताए घर से कहीं चली गई। परिवार ने युवती की तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

पार्ट टाइम जॉब के नाम पर युवती से 2.7 लाख की ठगी

■ साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर ठगों ने एक युवती को पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर 2.7 लाख रुपये की ठगी कर ली। आदर्श नगर निवासी नमिता यादव को वॉट्सअप पर पार्ट टाइम जॉब का ऑफर मिला। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नमिता ने पुलिस को बताया कि उसके वॉट्सअप पर 30 जुलाई को एक मैसेज आया। ठगों ने पहले उन्हें टेलीग्राम लिंक से जोड़ा। शुरूआत में छोटी रकम पर अच्छा मुनाफा देकर उसका विश्वास जीता। नमिता ने 31 जुलाई को 800 रुपये ट्रांसफर किए तो उसे 1040 रुपये वापस मिले। फिर 3000 रुपये के निवेश पर 5250 रुपये का रिटर्न मिला। ठगों ने बड़ी रकम निवेश करने का दबाव बनाया। युवती ने अलग-अलग बारकोड से ठगों को 5000, 30000, 50000 और 85000 रुपये ट्रांसफर किए। ठगों ने अकाउंट फ्रीज होने का बहाना बनाकर 1.5 लाख रुपये और मांगे। नमिता ने 1 अगस्त को सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक से कर्नाटक बैंक के खाते में यह राशि भेज दी। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया गया है। जांच अधिकारी एएसआई रविकांत ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

रेवाड़ी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम में भगवान श्री कृष्ण की लीला प्रस्तुत करते बाल कलाकार। फोटो :हरिभूमि

कोसली क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी का त्योहार

कोसली। कोसली उपमंडल में शनिवार रात श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। कोसली स्टेशन क्षेत्र के दुर्गा मंदिर, प्रजापति ब्रह्मकुमारी आश्रम, शिव मंदिर, हनुमान मंदिर व श्री श्याम मंदिरों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया। महिलाओं ने उपवास रखकर रात्रि मंदिरों में जाकर भगवान श्री कृष्ण के बाल रूप की पूजा अर्चना की। मंदिरों में कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किए गए। भजन गायकों ने भजनों से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का वर्णन कर उनकी महिमा का गुणगान किया। श्रीकृष्ण जन्म उपरांत मंदिरों में प्रसाद का वितरण किया गया।

पुलिस पार्टी पर हमला करने का आरोपी एक दशक बाद काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए कोसली ने वर्ष 2016 में बावल रोड पर चांदपुर की ढाणी के पास गो तस्करों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करके जानलेवा हमला करने के मामले में संलिप्त करीब 9 साल से फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस इस मामले में 9 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। 2 सितम्बर 2016 की रात्रि को थाना माडल टाउन की पीसीआर गांव करनावास के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कुछ गो तस्कर एक पिकअप गाड़ी में सवार होकर शहर की तरफ आ रहे है। सूचना के बाद पीसीआर गो तस्करों की पिकअप गाड़ी के पीछे लग गई। इसी बीच पहले से बावल रोड पर चांदपुर की ढाणी के पास नाका लगाकर खड़ी पुलिस को देख बदमाशों ने नाका तोड़ दिया तथा अपनी गाड़ी वापस बावल की तरफ मोड़ ली। जो सामने से आ रही पीसीआर को देख कर पिकअप गाड़ी में सवार बदमाशों ने पत्थर मारने शुरू कर दिए और एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में पीसीआर के चालक अशोक को गोली के छर्रे लगे थे। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना माडल टाउन हत्या के प्रयास व आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त 9 आरोपी सद्दाम, शाजिद, गफार, इरसाद उर्फ रम्मी, जुन्ना उर्फ जुनेद, पांडु उर्फ बगड़िया, अडिया, अफसील, लक्का उर्फ लियाकत को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

`वाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी राहुल।

बुकिंग के बाद कार लूटने के दो और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी

थाना धारूहेड़ा पुलिस ने गत 14 जनवरी की रात को दिल्ली से कार बुकिंग करके धारूहेड़ा में लूटने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

यूपी के जिला बदायूं के गांव भैहटाजबी निवासी श्रीदेव ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह फिलहाल नोएड़ा में रहता है और इससे पहले वह अपनी ससुरा करावल नगर नोर्थ वेस्ट दिल्ली में रहता था। वह टैक्सी चलाने का काम करता है। गत 14 जनवरी की रात को दिल्ली पा ल म फ्लाईओवर से 5 नामपता नामालूम लड़के उसकी कार धारुहेडा के लिए किराये पर करके लाए थे। उसने रास्ते मे गुड़गांव टोल के पास सीएनजी डलवाई थी और धारुहेडा पहुंचने पर उन युवकों ने जयपुर की तरफ 3-4 किलोमीटर आगे छोडने के लिए कहा था। जिसके बाद करीब साढ़े 11 बजे साहबी ओवरब्रिज पर पहुंचने के बाद उन्होंने गाडी साइड मे रुकवाकर कहा कि उन्हें यही उतार दो। इसके बाद आरोपियों ने उससे मोबाइल फोन पेटीम स्कैनर करने के लिए ले लिया और उसके

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

साथ मारपीट करने लग गए। एक ने उसे कट्टा दिखाया और उसकी जेब से 1200 रुपये निकाल कर उसकी कार छीनकर जयपुर की तरफ भाग गए। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना धारूहेड़ा लूटपाट व आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त एक आरोपी यूपी के जिला रामपुर के गांव जगेसर निवासी फईम को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त दो और आरोपी दिल्ली के गांव पालम नजदीक गोल चक्कर खारा कुआं निवासी रवि पासवान उर्फ सन्टु व शिवम को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

इस सप्ताह भी मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है, अगले दो-तीन दिना में अच्छी बरसात की उम्मीद

उमस भरी गर्मी ने किया बेहाल, आसमान में बादल छाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मौसम में निरंतर बदलाव देखने को मिल रहा है। कभी आसमान में बादल बारिश की संभावना पैदा करते हैं, तो कभी तेज धूप उमस बढ़ाने का काम करती है। दिन भर उमस भरी गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है। अच्छी बरसात के बिना उमस भरी गर्मी से राहत की उम्मीद नहीं है। इस सप्ताह भी मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। अगले दो-तीन दिना में अच्छी बरसात की उम्मीद है।

रविवार को सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। बादलों के बीच कुछ एरिया में फुवारें भी गिरीं। सुबह लगभग 10 बजे बाद बादल साफ हुए, तो तेज धूप ने एक बार फिर उमस पैदा कर दी। अधिकतम तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 34.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान भी इतनी ही वृद्धि के साथ 23.0 डिग्री पर पहुंच गया। हवा में नमी का स्तर 80 प्रतिशत तक रहा, जबकि हवा की गति 13 किमी प्रति घंटा रही। दोपहर तक तेज धूप के चलते लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहे। वातावरण में नमी के चलते सड़ी हुई गर्मी ने लोगों को पसीना-पसीना कर दिया। कूलरों की हवा उमस बनने के बाद बेअसर साबित होने लगती है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पाती। शाम के समय आसमान में एक बार फिर से बादल गहरा गए, जिससे हल्की बरसात या बूंदाबांदी होने की संभावना बन गई। शाम तक लोगों को उमस से राहत नहीं मिली। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह भी मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। सप्ताह के मध्य हल्की या मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा। अच्छी बरसात की स्थिति में पारा तेजी से गिर सकता है।

रेवाड़ी। एक खेत में लहलहाती बाजरे की फसल। फोटो :हरिभूमि

बाजरे की फसल को नुकसान की आशंका

खरीफ की मुख्य फसल के रूप में बाजरा पकाव की ओर अग्रसर है। अगेती फसल में दाने बनने व पकने शुरू हो गए हैं। इस समय फसल को सिंचाई की आवश्यकता नहीं है। अगर तेज हवाओं के साथ बरसात होती है, तो इससे अगेती बाजरे की फसल को नुकसान की आशंका बनी रहेगी। बरसात के कारण बाजरे की फसल सिरटे के वजन से जमीन पर गिर सकती है। इससे फसल उत्पादन प्रभावित होगा। कपास की फसल को इस समय होने वाली बरसात से नुकसान की आशंका नहीं है। फसल में टिंडे आने शुरू हो गए हैं। मौसम साफ होने पर बाजरे की फसल अगले दो सप्ताह तक कटाई के लिए तैयार हो जाएगी।

जो शिक्षा हमें निर्बलों को सताने के लिए तैयार करे, जो हमें धरती और धन का ग़ुलाम बनाए, जो हमें भोग-विलास में डुबाए, जो हमें दूसरों का ख़ून पीकर मोटा होने का इच्छुक बनाए, वह शिक्षा नहीं भ्रष्टता है।
- मुंशी प्रेमचंद

गतांक से आगे...
अभी तक आपने पढ़ा कि शारदा की साहब से शादी हो जाती है। साहब कम बोलते हैं। शारदा इस बात का पूरा ध्यान रखती है कि घर में शोर-शराबा न हो। शारदा के दो बच्चे हो चुके हैं। बच्चों के जन्म के बाद वह समझ पाती है कि जीवन में आवाज का क्या महत्व है। साहब की मां स्वर्ग सिधार गई हैं। अब साहब ने कॉलेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है और ज्यादातर वक्त वे पढ़ने-लिखने में ही बिताते हैं। अब आगे...

कहानी
नवरत्न

आवाज़ें

अम्मा जी चली गई हैं। साहब ने उन्हें चुपचाप विदा कर दिया है। अब तो अकेले ही दरख़्तों के साए में अपने हुक्के के साथ बैठते हैं। शाम को अक्सर अम्मा जी की जगह शारदा होती है। चुपचाप उन्हें पढ़ते-लिखते हुए या हुक्का गुड़गुड़ाते हुए देखती हुई शारदा ... बच्चे बड़े हो रहे हैं... पड़ोस में एक आध मकान और बन गया है। जिससे आवाजों की आमद बढ़ गई है। नए मकान का मुहूर्त है और पड़ोस में थोड़ी रेलम-पेल है। नए पड़ोसी थोड़े ज्यादा ही बोलने-चालने वाले किस्म के लोग हैं। बोल बोल कर, नाच-गाकर जिंदगी का आनंद मनाने वाले लोग.. साहब को न्योता देने आए हैं। चाहते हैं कि पड़ोस में जान-पहचान बढ़े।

साहब चुपचाप हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं। शारदा थोड़ी विचलित है कि अब उन्हें कैसे बताए... कि ये इस तरह के समारोह में शामिल नहीं होते। अब कुक्कू के कान में दर्द हो तो शारदा साहब के सोने की अलग कमरे में व्यवस्था कर सकती है। निक्की को बुखार हो या दोनों भाई-बहन आपस में खेलते-खेलते झगड़ा करने लगें तो शारदा के पास समाधान है। अब इस नई समस्या का तो उसे कोई समाधान नजर नहीं आता। लेकिन ऐसा भी नहीं कि साहब को ये चीजें बिल्कुल ही नागवार गुजरें। बस! इतना है कि वे न्योता देने वालों की बातों को सिर्फ सुन रहे हैं। बहुत हुआ तो वे उनके कई वाक्यों के बाद अपनी संक्षिप्त सी 'जी' से काम चला देते हैं। फिर... एक व्यक्ति और आ गया है जो शायद पहले वाले को बुलाने आया है। साथ में कुछ बच्चे भी आ गए हैं। बड़े प्यारे-प्यारे बच्चे हैं। निक्की और कुक्कू की आज छुट्टी है और जाने कब बच्चों की छोटी सी दुनिया में दोस्ती का दीप जगमग आ उठा है। शारदा ने निक्की के हाथ एक पानी का जग और गिलास भेजे हैं शिष्टाचारवश। साहब ने उन्हें पानी पिलाया है.. साथ ही आगंतुकों ने साहब को यह भी बताया है कि.. 'जी आज तो लेडीज संगीत का कार्यक्रम है। शाम को जवान बच्चे नाच-कूद लेंगे इस बहाने और कल सुबह दस बजे गृह प्रवेश है। आप मैडम के साथ, बच्चों के साथ, जरूर आइएगा।'

साहब ने कोई जवाब नहीं दिया है। बच्चों को खेलते हुए महज देख रहे हैं। फिर कुछ औरतें पारंपरिक परिधानों में सजकर गीत गाती हुई सुनाई दे रही हैं। बच्चे.. निक्की और कुक्कू के साथ खेलते-खेलते अंदर आ गए हैं। अब बच्चे तो बच्चे हैं, उन्हें कागजों पर लिखी बातों का क्या पता? वे विस्मय से भरे ..कमरों में भरी किताबों को देख रहे हैं। कभी-कभी किसी कागज को भी उठा लेते हैं। फिर उस कागज को यूं ही गिराकर कोई और पत्रिका उठा लेते हैं। उनके लिए तो सब कुछ महज खेलने की चीजें हैं। दुनिया एक खेल है... जिंदगी एक खेल है... यहां जी रहा प्रत्येक व्यक्ति अलग-अलग तरीकों से खेल रहा है। लेकिन शारदा असहज है। वह भारी द्वंद्व में है। बच्चों की आवाजों को बड़ी शिद्दत से सुन रही है। निक्की और कुक्कू का यूं बच्चों के साथ खेलना उसे सुकून दे रहा है। लेकिन बच्चे शोर कर रहे हैं। उनका शोर करना, आवाजें करना उसे अखर रहा है। शाम को जैसा कि शारदा को पहले ही अंदेशा था.. सात बजते-बजते डीजे शुरू हो गया .. खूब तेज आवाज में ...साहब भीतर अपने कमरे में हैं और खाना खा रहे हैं। शारदा खिड़कियां बंद कर रही है ताकि आवाज अंदर ना आ सके। लेकिन खिड़कियां - दरवाजे बंद करने से भी ज्यादा असर नहीं पड़ रहा और आवाजें बाकायदा अंदर आ रही है। हंसने की आवाजें, गाने की आवाजें, जोर-जोर से बोलने की आवाजें और सबसे तेज आवाजें... पटाखों की आवाजें... शारदा विचलित तो नहीं... लेकिन असहज है.. क्योंकि बारह साल में ऐसी स्थिति पहली बार आई है जब उसे अपने घर में इतना शोर सुनाई दिया है। साहब चुपचाप लेटे हैं। उन्होंने असहज और परेशान शारदा की ओर महज देखा भर है और अपने देखने भर से यह जता दिया है कि रहने दो, कोई बात नहीं... कई बार कुछ आवाजों का कोई समाधान नहीं होता। दोनों बच्चे बिल्कुल बेफिक्री से सो रहे हैं। साहब जाग रहे हैं। आवाजों का सिलसिला जारी है। शारदा अभी जाग रही है। हालांकि उसने कोशिश की है साहब के तलवों और सिर में तेल की मालिश करके उन्हें सुलाने की। लेकिन पटाखों की आवाज के साथ ही वे चौंक पड़ते हैं। कभी-कभी उठ कर बैठ भी जाते हैं। लिखने-पढ़ने वाले विचारशील व्यक्ति हैं। सोच रहे हैं कि जीवन में आवाजों का आदी होना भी कितना जरूरी है। आवाजों के समंदर में डूब कर बेखुदी में जीना कितना आसान हो जाता है। शारदा की आंखें शायद लग रही हैं। वह तंद्रा में ही विचार कर रही है कि कुछ आवाजें कितनी अच्छी होती हैं कि वे आती हैं और बच्चों के लिए खेलने का सामान कर जाती हैं। बच्चे स्कूल में तो भले ही खेलते होंगे घर में तो वे आज ही खेले हैं, पड़ोस के बच्चों के साथ। सोचते-सोचते वह सो गई। रात का एक बज गया है, अब शायद आवाजें थक गई हैं। उनमें एक बोझिल आकार पैदा हो गया है। अब थोड़ी-थोड़ी देर में आ तो रही हैं लेकिन अलसाई हुई सी, उनमें थकान है। शायद नशा भी है और कभी-कभी एक नींद की खुमारी भी सुनाई पड़ रही है। पटाखे भी अब थक गए हैं और डीजे भी कम से कमतर हो गया है। रात्रि का मौन पसर रहा है। आज इतवार है तथा बच्चों की छुट्टी है। पड़ोस में फिर चहल-पहल सुनाई पड़ रही है। गृह प्रवेश के लिए हवन का कार्यक्रम शुरू हुआ है। हवन के मंत्रोच्चार भी बाकायदा माइक में बोले जा रहे हैं। आहूतियों के सिलसिले में स्वाहा का समवेत स्वर माहौल को ऊर्जा नृत्य कर रहा है। शारदा का यह साफ-सफाई का वक्त है। सफाई करते हुए वह सोच रही है कि एक बार शिष्टाचार के नाते, औपचारिकतावश ही सही, वह पड़ोस में जा आएगी.. क्योंकि सुबह भी दो महिलाएं बुलावा देने के लिए आई थी। महिलाएं पारंपरिक परिधान में सजी-धजी, हवन का प्रसाद लेकर गई थी। उनके साथ बच्चे खेलते हुए यहीं रुक गए थे। साहब नहा-धोकर, बाहर शहतूत तले, उनकी प्रिय जगह पर अपने हुक्के के साथ बैठे हैं। आंखों में रात भर न सोने के कारण थकान है। शारदा नहा धो चुकी है। उसने कॉटन सिल्क की साड़ी पहनी है। बस साहब के लिए नाश्ता बनाना है, फिर बच्चों के साथ वह थोड़ी देर के लिए पड़ोस में चली जाएगी। हवन हो चुका है व मंत्रोचार के समवेत स्वर सुनाई नहीं पड़ रहे हैं। शारदा रसोई में है और बच्चे दूसरे कमरे में खेल रहे हैं। वह बीच-बीच में दो-तीन बार उन्हें खेलते हुए फुसफुसाकर ताकीद कर आई है कि आवाजें नहीं, चुपचाप खेलते रहो। लेकिन अब की बार वह बच्चों वाले कमरे में आई तो पड़ोस का एक बच्चा कागज से हवाई जहाज बना रहा था। उसने शायद किसी पत्रिका से पृष्ठ फाड़ लिया है। शारदा के लिए यह अप्रत्याशित था। उसने निक्की को पास बुलाकर धीरे से फुसफुसाया.. पापा के लिए नाश्ता बना रही हूं, फिर पड़ोस के फंक्शन में चलेंगे, तब तक तुम सब बच्चों को बराबर वाले लान में, गुलमोहर के नीचे, खेलाओ और बाहर से दरवाजा बंद कर जाओ, नहीं तो ये बार-बार आकर पापा के कागज उठाएंगे। निक्की समझ गई.. वह इन सब में बड़ी बच्ची है.. उसने ऐसा ही किया, बाहर बरामदे का दरवाजा बंद कर दिया ताकि मम्मी आराम से नाश्ता बना सके। साहब को मिट्टी की हंडिया में बना हुआ दलिया नाश्ते में पसंद है। उनका मानना है कि खाने की चीजें भी जितनी धीरे पकती हैं उनमें स्वाद बरकरार रहता है। तेजी से पकी हुई चीजें बे-स्वाद होती हैं। शारदा भी समझ चुकी है कि जिंदगी धीरे धीरे, आराम से और सुकून से जी जाती है। वह दलिया धोकर मिट्टी की हांडी में डालते हुए भी साहब के बारे में ही सोच रही है कि वे रात भर आवाजों से दो-चार रहे और सो न सके। लेकिन बाहर अब सब कुछ शांत है बिल्कुल शांत ... कोई आवाज नहीं आ रही.. सोच कर.. उसे अच्छा लगा। कुछ देर से बच्चों की ओर से भी आवाज नहीं आ रही है। वह सोच रही है शायद बच्चे भी खेलते हुए पड़ोस के समारोह की ओर निकल गए होंगे। साहब नाश्ता करके शायद थोड़ा आराम करें और उनकी आंख लग जाए तो अच्छा हो। वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा ... हालांकि रसोई से बाहर... बरामदे की ओर...वह भागी ..लेकिन भागी तो ... सिल्क और भी भभकी ... अबकी बार। शहतूत के दरख्त के नीचे साहब किसी साहित्यिक पत्रिका में उलझे हैं। हालांकि बीच में उनकी चेतना कुछ समय के लिए घर के मुख्य दरवाजे की ओर गई और उन्होंने बाकायदा देखा भी कि बाहर से बंद है और हल्के-हल्के थपथपाया जा रहा है। कुंडी बाहर से साफ दिख रही है। दोनों किवाड़ धीरे-धीरे आगे-पीछे होते हुए दिखाई दे रहे हैं लेकिन फिर उन्होंने यह सोचकर ध्यान हटा लिया कि बच्चे हैं और पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहे हैं। पत्रिका में आलेख छपा है .. आवाजों के जंगल में जिंदगी की तलाश... उन्होंने शीर्षक देखा ... उन्हें शीर्षक अच्छा लगा है। शीर्षक से ही उन्हें साफ महसूस हुआ कि आलेख किसी को भी अपनी ओर आकर्षित करेगा पढ़ने के लिए। लेकिन कुछ जलने की गंध और उनके नासा पुट सक्रिय ....उन्होंने फिर घूम देखा... तो बरामदे के अंदर वाले रोशनदान से धुआं निकल रहा है... मटमैला सा धुआं ... उनकी समझ में कुछ नहीं आया।

> *वह विचार की गहरी कंदरा में थी कि फिर दूध लेने के लिए गैस के दूसरे चूल्हे की ओर पलटी और अचानक कॉटन सिल्क की साड़ी का पल्लू और आग का भभूका..... उसको तो उकाब ही नहीं आया। चाह कर भी चीख नहीं पाई शारदा*

वे उठे... कि उन्हें लगा कि जैसे कुछ अप्रिय घटित होने की आशंका के साथ और वे लगभग दौड़ ही पड़े....कुंडी खोली तो अंदर का हृदय विदारक दृश्य ... उन्होंने जिंदगी में पहली दफा किसी नाम को इतनी जोर से पुकारा... शारदा ....ssssss.. और शारदा ने बमुश्किल आंखें खोली और फौरन हाथ से इशारा करते हुए अपनी तर्जनी होठों पर रख ली।... और इस तरह से साहब की जिंदगी से उस दिन उस आखिरी आवाज ने विदा ली। आजकल वे खोजते फिरा करते हैं आवाजों को... वे मानते हैं कि आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें हैं। आवाजें हमारे होने को तस्दीक करती हैं.. या कि कुछ आवाजें खूबसूरत हुआ करती हैं। उनका होना हमारी जिंदगी को सार्थक कर जाता है। आवाजें लहरों से समंदर की छाती पर अलविदा लिख दिया करती हैं। आकाश की पीठ पर बादलों की आवाजें बरसात नहीं... असल में जिंदगी ही तो लिखा करती हैं। **(समाप्त)**

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

तकदीर

निहार लेते और दो घड़ी
जो मालूम होता
अब होगी ना मुलाकात हमारी।

कहते दिल की अपनी
सुनते तुम्हारी
ना कहते
मिलेंगे फिर
होते वक्त विदा
रोक लेते तुम्हें
जो होता मालूम
हमेशा को
हो रहे हैं जुदा
अलविदा कहने को भी
होगी ना अब भेंट हमारी।

यादें तुम्हारी
ना दिल से मिटायेंगे
बितेगा सफर यूँ ही
इक रंगी हमारा
ना होगा ओझल
रहेगा बसा आँखों में
वो अक्स तुम्हारा
चलेंगे हम
संग होगा साया तुम्हारा।

काश दे के आवाज तुम्हें
बुला पाते
एहसास अपने जज्बातों का
दिला पाते
पता जो मालूम होता तुम्हारा
भेज के पाती
बहाने से तुम्हें किसी भी
बुला पाते
कसमें जो रह गई हैं अधूरी
वो निभा पाते।

ख्वाबों का ही अब सहारा होगा
हमसफर कोई दूजा ना हमारा होगा
याद में तुम्हारी
नम आँख में जो आँसू होंगा
कहने को हमारा
नाम उस पर तुम्हारा ही होगा।

कविता
अंजु कपूर गांधी

नारी

सच कहूं तो हर नारी
जिम्मेदारियों के बोझ तले
खुद के सपनों को दबाए
चलती रही ताउम्र बोझा
अपने सिवाए ,सबका उठाए
थकती पर रुकती नहीं है
चलती जाती
जीवन होम किया
फिर भी
अंत ठगा खुद को है पाती
सबसे बड़ी ठगी तो वो है
खुद से ही जो करती जाती
आती -जाती श्वासों में ये जीवन खेले
इससे पहले मृत्यु निज आगोश में ले
लक्ष्य जो चिन्हित किये थे
उनको पाना याद कर
हैं बची सांसें ये जितनी
अब तो अपने नाम कर
खोल दे बंद मुट्ठियां
ख्वाहिशों को पंख लगा
पांव जमीं पर रहें...
'अंजु' व्योम छू के आ !

लघुकथा
विश्वदीपक त्रिखा

कामवाली बाई

पिछली कामवाली बाई छोड़ गई थी। नई कोई मिल नहीं रही थी। दिक्कत बहुत थी। हम दोनों ऑफिस चले जाते तो घर में बच्चे और बच्चों के दादा-दादी अकेले होते। किसी ने बताया कि दिल्ली में एजेंसी से मिल जाएगी मेड। उनसे बात की। उन्होंने एडवांस पेमेंट ली और उन्हीं का आदमी साथ लेकर आया। एग्रीमेंट पर हमारे हस्ताक्षर करवाए और मेड को छोड़ कर चला गया।

मेड का नाम था लवली। 32/33 की उम्र थी। बंगाल की रहने वाली थी। बंगाली बोलती थी। टूटी-फूटी हिंदी भी बोल लेती थी। दो-चार दिन के बाद उसने मोर्चा संभाल लिया। काम आसान हो गया। खाना बहुत ही अच्छा बनाती थी। और किसी किस्म के नखरे भी नहीं थे। एक साल बाद बोली कि भैया घर जाऊंगी, टिकट बुक करवा दो। मैंने टिकट बुक करवा दी। एक महीने बाद वापस आई तो रो रही थी। बोली भैया रास्ते में टीटी ने 2000 रुपये जुर्माना लगा दिया। आधार कार्ड दिखाया तो कहता टिकिट किसी और के नाम से है।

मैंने कहा, आधार दिखाओ। आधार कार्ड देखा तो उस पर नाम था आबिदा बेगम। टिकट मैंने लवली के नाम से करवाई थी। मेरा काटो तो खून नहीं। मैंने पूछा, लवली आप मुसलमान हो क्या। बोली, हां भैया।

मैं उठ कर दूसरे कमरे में चला गया। मेरी बीवी भी पीछे आ गई। हम दोनों ही परेशान कि ये क्या हुआ हमारे साथ। धोखा ये नहीं कि वो मुसलमान है। धोखा ये कि हमें एजेंट ने या खुद लवली ने ये सब बताया क्यों नहीं। एग्रीमेंट लवली के नाम से ही बना था। हमने उस वक्त आधार देखने की जरूरत ही नहीं समझी। थोड़ी देर में जब हम सदमे से उभरे तो बाहर आकर उसको चाय बनाने के लिए बोला और पहले जैसे ही हंस बोल कर माहौल को हल्का बनाने की कोशिश की ताकि उसको महसूस न हो।

मैं ठहरा ब्राह्मण, वो भी असली वाला और मेरे घर में कामवाली मुसलमान, कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करू। उसके गुण देखूं कि उसका धर्म देखूं। जो गुण थे उसमें, उसके सामने उसका धर्म गौण लगा मुझे। मैं कोई सेकुलर नहीं हूं। कट्टर हिंदू हूं लेकिन कुछ रिश्ते इन सब से ऊपर हो जाते हैं। शायद उसका हमारा रिश्ता कुछ ऐसा ही बन चुका था। वो उमर में मेरे से छोटी थी पर डांटती ऐसे थी जैसे कि मेरी मां हो। घर में चलती भी उसी की थी। मैं कभी बीवी को डांट दूं तो मेरे को डांट दिया करती। कभी मेरे से कोई गलती हो जाती तो मेरी खैर नहीं। हमारे घर में क्या कहां पड़ा है सब उसी को पता होता था न कि मेरी बीवी को। एक तरह से वो घर की कंप्लीट केयरटेकर थी। सब वैसे ही चलता रहा। ईद में मेरी बीवी उसके लिए सिवांइया बनवाती। दीवाली में हमारे साथ वो पूजा करती। उसने हमारे घर 16 साल काम किया। कोरोना की दूसरी लहर में घर गई। फिर वापस आई और एक साल और काम किया लेकिन उसके बाद उमर हो गई थी उसकी भी 50 के आसपास। अब काम नहीं होता था उससे। बोली, जाऊंगी वापस घर। मेरी बीवी ने बहुत रोका, बोली रुक जाओ। हमें आपकी आदत सी हो गई है। लेकिन चाहते हुए भी वो नहीं मानी। खैर, इतना ही साथ था हमारा। हम उसको दिल्ली स्टेशन पर छोड़ने गए। ट्रेन चली तो हम तीनों की आंखों में आंसू थे।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को जटिल,लेकिन अत्यंत रोचक करार देते हुए कहते हैं कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने साहित्य की प्रकृति, पहुंच और अभिव्यक्ति के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। साहित्य अब केवल शब्दों का खेल नहीं रहा, वह मल्टीमीडिया अनुभव बनता जा रहा है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देता साहित्य : डॉ. सत्यबीर 'निराला'

भारतीय संस्कृति में साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। इसलिए सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर लेखन के जरिए साहित्य साधना कर रहे साहित्यकार संस्कृति और परंपराओं और सभ्यता के प्रति समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह ऐसे ही साहित्यकार हैं, जिन्होंने पद्य, दोहे, वर्णमाला, चौपाई, भजन, हरियाणवी भजन व बारह मास जैसी विधाओं में सामाजिक जीवन को सकारात्मक राह देने का प्रयास किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को साहित्य संवर्धन का हिस्सा बनाकर उन्होंने हरियाणवी भाषा और संस्कृति को सर्वोपरि रखते हुए कला और संगीत की विधाओं में भी एक कलाकार व गायक और समाजसेवा की भाव के साथ अपनी पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेरित करने पर बल दिया है। वरिष्ठ साहित्कार डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' का जन्म 24 अक्टूबर 1956 को रोहतक जिले के गाँव निगाना में एक सामान्य कृषक परिवार में बनारसी दास नम्बरदार व सरबती देवी के घर में हुआ। परिवार में पारिवारिक पृष्ठभूमि में कोई साहित्यिक या सांस्कतिक माहौल नहीं था, लेकिन उन्हें बचपन से ही भजन और गीत गाने का बहुत शौक था। हालांकि होश संभालने के बाद मध्यम वर्ग का परिवार होने की वजह उनके जीवन में भी आर्थिक और सामाजिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अल्पायु यानी 14 या 15 वर्ष की उम्र में ही लिखना शुरू कर दिया था। वक्त के साथ जब वह बड़े हुए तो उन्होंने अपनी पढाई के साथ में संगीत की शिक्षा ग्रहण करनी भी जारी रखी और जल्द ही वह बड़ी स्टेजों पर बतौर गायक तथा हारमोनियम वादक के तौर पर कार्य करने लगे। समय के साथ ख्याति बढ़ती गई और उन्हें फिल्मों, नाटकों में गीत लिखने के लिए तथा बतौर संगीतकार के तौर पर कार्य करने के अवसर मिलते रहे, लेकिन कहीं न कहीं मन में एक टीस बाकी थी कि उनकी रचनाएं किस प्रकार आने वाली पीढ़ी को जागरूक करे। इसलिए उन्होंने साहित्य लेखन की तरफ अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए। साहित्य सृजन करते हुए वह अब तक करीब 78 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। हालांकि दस पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं। कवि धर्म संसद में सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने शुभ आशीष देते हुए उन्हें साल 1990 में 'निराला' उपाधि से नवाजा। हालांकि घर परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए सरकारी नौकरी करने तथा साहित्य लेखन व संगीत के कार्य में सामंजस्य बैठाने में वास्तव में उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन हरियाणा सरकार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद खासतौर से साहित्यिक क्षेत्र की दृष्टि से उन्हें बड़ी राहत मिली। इसलिए अब वह लगातार दिन-रात साहित्य सृजन तथा साहित्यिक गतिविधियों में इतना व्यस्त रहने लगे और अब तक वह करीब 75 से ज्यादा पुस्तकें लिख चुके हैं। साहित्य और संगीत में पीएचडी की मानद उपाधि हासिल कर चुके डॉ.सत्यबीर सिंह, आमतौर पर उनके लेखन का फोकस हर विषय पर रहा है, लेकिन सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों, अध्यात्म एवं जनजागृति पर आधारित रचनाओं पर ज्यादा कलम चलाई है। साहित्य सृजन के अलावा वह सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रीय हैं और निराला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक निदेशक के रूप में वह महिला सशक्तिकरण की दिशा में अब तक 150 महिलाओं एवं लड़कियों को निःशुल्क एडवांस बेसिक कंप्यूटर कोर्स और बेसिक कंप्यूटर कोर्स करवाए जा चुके हैं। वहीं पौधरोपण, रक्तदान आदि गतिविधियों तथा धर्म प्रचार-प्रसार कार्यों में अहम वह लगातार अपनी भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला' ने बताया कि वह अब तक हरियाणवी भाषा में 250 से ज्यादा गीत, कविताएं लिख चुके हैं, जिसमें उनकी एक पुस्तक 'टूटता तारा' हरियाणवी भाषा मे प्रकाशित हो चुकी है। बतौर संगीतकार, गीतकार, गायक एवं अदाकार के रूप में कई हरियाणवी फिल्मों, टेलीफिल्मों तथा नाटकों में कार्य किया। वे कहते हैं कि साहित्यकारों को अपनी रचनाओं और लेखों को रोचक व प्रासंगिक बनाने के लिए विज्ञान, राजनीति, समाजशास्त्र के साथ साहित्य का संवाद स्थापित करना होगा।

प्रकाशित पुस्तकें

निराला' ने अब तक हिंदी व हरियाणवी भाषा में 75 से ज्यादा पुस्तकें लिखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से आइना - ए-निराला, सत्य की ओर, दरकते-रिश्ते, अदालत, प्यार का पैगाम,घटता आँचल, टूटता तारा (हरियाणवी), संत बाबा मेहरशाह (ग्रंथावली) शामिल हैं। उनकी साझा संग्रह पुस्तकों में 'पौत्र प्रभाविकरण', 'तनै कर दिया इसा कमाल', 'गुरु कृपा', 'संस्कारों की क्यारी', 'प्यारा नंद लाला', 'भारत माता की जय', 'मेघा पुष्प', 'कविता कौमुदी' के अलावा प्रकाशनाधीन साझा संग्रह पुस्तक 'एकता', 'बेरहम' और 'महिलाओं की प्रधानता और नेतृत्व' शामिल हैं।

डॉ.सत्यबीर सिंह 'निराला'

पुरस्कार व सम्मान

डॉ. सत्यबीर को हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से 'हरियाणवी भाषा के विकास की संभावनाएं' विषय पर प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। उनको प्रमुख रूप से राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, राष्ट्रीय कबीर कोहिनूर सम्मान, 'बाल अधिकार साहित्य सम्मान, अटलश्री सम्मान, विधा भास्कर निराला सम्मान, कवि महेन्द्र सिंह नंबरदार स्मृति सम्मान, मिसरी-जुगलाल स्मृति साहित्य श्री सम्मान, निर्मला स्मृति हरियाणा गौरव साहित्य सम्मान, प्रकृति गौरव सम्मान, संस्कृति प्रेमी सम्मान, सनातन धर्म और साहित्य सम्मान शामिल हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :डॉ. सत्यबीर सिंह 'निराला'
जन्मतिथि :24 अक्टूबर 1956
जन्म स्थान :गांव निगाना, रोहतक (हरियाणा)
शिक्षा : इंटरमिडिएट, पीएचडी उपाधि
संप्रति : साहित्यकार, संगीतकार, गायक एवं समाजसेवी, जल आपूर्ति विभाग से सेवानिवृत्त।

वेदना और संवेदना का मिश्रित रंग है अमूर्त काल

पुस्तक : अमूर्त काल
लेखक : अजय रोहिल्ला
मूल्य : 350 रुपये
प्रकाशक : आधार प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
भारत भूषण शर्मा

अजय रोहिल्ला एक विद्रोही वजूद का मानवीय नाम है, जो उनकी सोच, समझ और स्वभाव का प्रतिबिंब बनकर, कभी उन्हें रंगमंच का कलाकार, कभी निर्देशक, कभी सिल्वर स्क्रीन पर एक सक्षम अभिनेता तो कभी चित्रकार के रूप में सामने लाता है। उनके विद्रोही और आक्रामक स्वभाव का एक नया रूप कवि के रूप में देखने को मिला है।

उनका कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के रूप में हमारे सामने है। हालांकि, अजय की कविताओं को मैंने इस संग्रह से हटकर भी पढ़ है। कई संदर्भों में महसूस किया है। अजय रोहिल्ला की कविताओं को समझने से पूर्व यदि उनके कविता संग्रह 'अमूर्त काल' के शाब्दिक, व्याकरणिक अर्थ को समझ लेंगे तो इन रचनाओं को समझने में आसानी होगी। 'अमूर्त काल' यानि जो किसी स्पष्ट क्रिया या निश्चित समय का संकेत नहीं देते, बल्कि किसी कार्य की सामान्य स्थिति, इच्छा भावना या संभावना को प्रकट करते हैं। कविता संग्रह 'अमूर्त काल' एक गूढ़ अवधारणा है, जो कवि को समय की सीमाओं पर जाकर अनुभूति, स्मृति, कल्पना और भावना के माध्यम से व्यक्त करने की स्वतंत्रता देती है। उपरोक्त व्याकरणिक परिभाषा के अनुरूप अजय रोहिल्ला अपनी सोच, अपनी काल्पनिकता और अपने विद्रोही तेवरों को कविताओं के माध्यम से उकेरने में सफल हुए हैं। उनके कविता कौशल के कुछ शानदार, उद्वेलित करने में सक्षम नमूने देखिए-

युद्ध एक काला घाव
जो आकाश फटता है
उसके छींटें
हड्डियों की चीख, बारूद की गंध
पर नजर पड़ते ही
वह घाव सिकुड़ता है
और कीचड़ में खिल उठता है कमल
जो रात के स्वप्न में तैरता है...

इनके अलावा भी बहुत सी घायल संवेदनाएं, आहत अहसास और सहमी हुई सिसकियां हैं, जो अजय रोहिल्ला के 'अमूर्त काल' में उसने वेदना और संवेदना के मिश्रित रंगों से उकेरी हैं। 'अमूर्त काल' में छपी उसकी सभी रचनाओं के केंद्र में विश्व मंच पर लगातार हो रहे इंसानियत के ह्रास की तस्वीर नजर आती है। इस कविता संग्रह को उस शख्स को एक बार तो अवश्य पढ़ लेना चाहिए, जो समाज और समय में संक्रमित हो रहे संदर्भों से विचलित होने में सक्षम हो, जिसके अंदर इंसानियत को जिंदा रखने की ललक भी हो।

खबर संक्षेप

कैंप लगाकर 70 यूनिट रक्त एकत्रित

रेवाड़ी। रोटरी क्लब ऑफ रेवाड़ी मेन ने रविवार को सेक्टर-5 स्थित रोटरी किचन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में गुरुग्राम ब्लड बैंक की मोबाइल बस के माध्यम से रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें 70 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथ विधायक लक्ष्मण यादव और विशिष्ट अतिथि सिविल सर्जन डा. नरेंद्र दहिया, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष डा. वीपी यादव, उप सिविल सर्जन डा. दीपक वर्मा और जिला 3011 रुचि राय थी। अतिथियों ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रोत्साहित किया और भविष्य में भी नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। क्लब अध्यक्ष नेहा शर्मा ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। रक्तदान के साथ-साथ थैलेसीमिया की निःशुल्क जांच की सुविधा भी प्रदान की गई। क्लब के सचिव अनुकूल शर्मा ने सभी अतिथियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

नटखट कान्हा ग्रुप ने मनाया दही-हांडी उत्सव

रेवाड़ी। जन्माष्टमी के पर्व पर राधा कृष्ण मंदिर सराय बलभद्र में नटखट कान्हा ग्रुप के अध्यक्ष यश शर्मा के नेतृत्व में 9वां दही-हांडी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर भव्य झांकियां भी प्रदर्शित की गई। इसके उपरांत दही-हांडी उत्सव में अनेक युवाओं ने भाग लिया। आयोजन के दौरान भक्तिरस और उत्साह का वातावरण बना रहा। इस मौके पर सैकड़ों श्रृद्धालु मौजूद थे। श्रृद्धालुओं ने दही-हांडी उत्सव का लुत्फ उठाया।

मनीष बने टाइगर क्लब के प्रचार मंडल अध्यक्ष

नारनौल। 22वें विशाल दुर्गा पूजा महोत्सव की तैयारी को लेकर के चल रहे सदस्यता अभियान के तहत मनीष सैनी को माता रानी का पटका पहनाकर टाईगर क्लब सदस्य बनाया गया। इस अवसर पर उनको टाइगर क्लब परिवार का प्रचार मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर मनीष सैनी, प्रवीण यादव, संजय सैनी, प्रधान राकेश यादव उपस्थित रहे।

पीजी में एडमिशन के लिए फिजिकल काउंसलिंग आज

नारनौल। रेलवे रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय में 18 अगस्त को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष में शेष/रिक्त सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया जाएगा। इस संदर्भ में एडमिशन नोडल अधिकारी डा. सतीश सैनी ने बताया कि सभी संबंधित अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे आवश्यक दस्तावेजों सहित निर्धारित समय पर महाविद्यालय में उपस्थित होकर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लें।

धन्यवादी दौरे के तहत कैबिनेट मंत्री का गंगायचा अहीर में जोरदार स्वागत

राजनीति जनता व जन प्रतिनिधियों के बीच विश्वास का बंधन: आरती राव

राव इंद्रजीत सिंह ने पूरे दक्षिणी हरियाणा की जनता का विश्वास हासिल किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राजनीति जनता और जन प्रतिनिधियों के बीच विश्वास का बंधन है। इसमें वही नेता कामयाब होता है, जो जनता का विश्वास हासिल करता है। राव इंद्रजीत सिंह ने पूरे दक्षिणी हरियाणा की जनता का विश्वास हासिल किया है, जिस कारण क्षेत्र की जनता ने भी भाजपा व राव इंद्रजीत सिंह का खुलकर साथ निभाया है। आरती रविवार को गांव गंगायचा अहीर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। गंगायचा अहीर की जनता ने हमेशा भारतीय जनता पार्टी और विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री राव इंदरजीत सिंह जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनका साथ दिया है। अटेली की जनता ने उन्हें विधायक और मंत्री बनने का गौरव दिया, लेकिन गंगायचा अहीर की जनता ने भी न केवल उनके लिए बल्कि पूरी पार्टी के लिए दिल से समर्थन किया और चुनाव में सक्रिय सहयोग करते हुए घर-घर जाकर वोट मांगे हैं। उन्होंने कहा कि गंगायचा अहीर का राजनीतिक और सामाजिक योगदान बेहद सराहनीय है। गंगायचा अहीर ने हमेशा राव इंदरजीत को अपार समर्थन दिया है। यहां की जनता ने लक्ष्मण यादव को भी एकतरफा वोट देकर विजयी बनाया। यह गांव वास्तव में धन्यवाद का हकदार है। केंद्र और हरियाणा सरकार दोनों में गंगायचा अहीर की साझेदारी बहुत बड़ी है। यह लोगों का प्यार और विश्वास ही है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी कायम है।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री व अन्य नेताओं का माला से अभिनंदन करते ग्रामीण व कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव।

युवाओं के लिए बेहतर अवसर जरूरी

युवा वर्ग ने रोजगार और खेल सुविधाओं के विकास पर अपने विचार रखे। स्वास्थ्य मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी हर समस्या सरकार की प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर गाँव तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना उनका संकल्प है। इस मौके पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक कृष्ण कुमार बावल, जिलाध्यक्ष वंदना पोपली सहित पार्टी पदाधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वोटों तक सीमित नहीं राजनीति

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राजनीति केवल वोटों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और क्षेत्र के विकास की यात्रा है, जिसमें आप सबका साथ और आशीर्वाद मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राजनीति सेवा का माध्यम है और यही कारण है कि वह जनता के बीच जाकर उनके सुख-दुःख को साझा करना अपनी जिम्मेदारी मानती हैं। धन्यवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने स्वास्थ्य मंत्री का जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने फूलमालाओं और नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस मौके पर कई बुजुर्गों और सरपंच पूजा ने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए अपनी अपेक्षाएं भी साझा कीं।

रेवाड़ी। शिक्षिका की हत्या को लेकर कोसली में प्रदर्शन करते स्वामी समाज के लोग व सामाजिक कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

शिक्षिका की हत्या के दोषियों की गिरफ्तारी को लेकर प्रदर्शन

- भिवानी में 19 वर्षीय प्ले स्कूल शिक्षिका मनीषा की जघन्य हत्या के विरोध में रविवार को कोसली में जमकर प्रदर्शन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

स्वामी समाज के लोगों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भिवानी जिले के ढाणी लक्ष्मण गांव की 19 वर्षीय प्ले स्कूल शिक्षिका मनीषा की जघन्य हत्या के विरोध तथा मामले में दोषियों की गिरफ्तारी व पीड़ति परिवार को न्याय की मांग को लेकर रविवार को कोसली में प्रदर्शन किया। स्वामी समाज के लोग कोसली गांव के बस अड्डे पर एकत्रित हुए तथा प्रदर्शन करते हुए कोसली स्टेशन के मुख्य चौक तक पहुंचे। स्वामी समाज ब्लॉक नाहड़ के प्रधान सतीश कुमार ने कहा कि सरकार मामले में तत्परता से कार्रवाई करे। स्वामी समाज की बेटी मनीषा के हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए तथा उन्हें फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शन में उप प्रधान पवन खाचरोली, खजांची संजीत स्वामी, मीडिया प्रभारी सुनील स्वामी, राकेश स्वामी, सुरेन्द्र स्वामी, जगदीश स्वामी हनुमान स्वामी, रणबीर स्वामी, राकेश स्वामी मारोत, प्रदीप स्वामी ,राकेश सुनील भाकली-2 के सरपंच प्रतिनिधि विजय पूनिया व गोरक्षा दल के सदस्य भी मौजूद थे। शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थी तथा दो दिन बाद 13 अगस्त को उसकी गला रेत कर हत्या की हुई लाश सिंघानी गांव के समीप नहर के साथ खेत से बरामद हुई थी। हत्या को लेकर अभी तक पुलिस कोई सुराग नहीं लगा पाई है।

रेवाड़ी। सीहा बस स्टैंड पर मौजूद साध संगत। फोटो : हरिभूमि

संत निरंकारी मिशन ने सीहा बस स्टैंड पर चलाया स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

संत निरंकारी मिशन की ओर से रविवार को सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आदेशनुसार सीहा बस स्टैंड पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर डहीना ब्रांच के मुखी महात्मा धर्मपाल ने कहा कि सतगुरु बाबा हरदेव सिंह महाराज के कथन के अनुसार प्रदूषण अंदर हो या बाहर दोनों ही हानिकारक है। इसी प्रकार से मानव बाहर से सफाई तो करता है, लेकिन मन के अंदर ईर्ष्या, नफरत, बैर अहंकार, लोभ, मोह व माया भरा हुआ है।

इनको भी मन से सफाई करके मिटाना चाहिए और मानव को मानव से प्यार करना चाहिए। साध संगत व सेवादल के सदस्यों ने मिलकर सफाई अभियान में भाग लिया और बस स्टैंड पर फैली हुई गंदगी को साफ किया।

कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य: छावड़ी

- कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी ने कहा कि वह पार्टी की नीतियों को जिले में जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन के साथ बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने की दिशा में तेजी से प्रयास करेंगे। जल्द ही पूरे जिले में कांग्रेस पार्टी का मजबूत संगठन देखने को मिलेगा। जिलाध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद छावड़ी गढ़ी बोलनी बस स्टैंड पर रविवार को आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उनके पैतृक गांव पीथनवास में भी ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि एक दशक से भी ज्यादा समय से जिला स्तर पर कांग्रेस पार्टी संगठन खड़ा नहीं कर पाई थी। इससे पार्टी को बड़ा नुकसान झेलना पड़ा है।

रेवाड़ी। सुभाष छावड़ी का स्वागत करते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी के राष्टÑीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के 'संगठन सृजन' के अभियान का पूरी तरह सफलता मिली है, जिस कारण प्रदेश में जिला स्तर पर अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। जिलाध्यक्षों की नियुक्ति से पूरे प्रदेश में कांग्रेस का मजबूत संगठनात्मक ढांचा खड़ा हो जाएगा, जिससे आने वाले समय में पार्टी को प्रदेश में सत्तासीन होने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के सभी सीनियर नेताओं से विचार-विमर्श करते हुए वह संगठन को जिला स्तर पर मजबूती प्रदान करने की दिशा में अनेक अवश्यक कदम उठाएंगे। युवा वर्ग को तेजी से पार्टी के साथ जोड़ने का काम किया जाएगा। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वह उसे पूर्ण निष्ठा और इमानदारी से निभाने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर सरपंच पवन कुमार, पूर्व सरपंच भोपाल, सुनील, विजय पंच, इंद्रपाल पंच, मुकेश सूबेदार, ब्रह्मदत्त सूबेदार, पंचायत समिति के पूर्व सदस्य मुकेश कुमार, बीरसहिं, लालसिंह, अमरसिंह, हरिसिंह, कैलाश व रतिराम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ग्रामीणों ने किया जिलाध्यक्ष का स्वागत

इस मौके पर ग्रामीणों ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। छावड़ी ने कहा कि लगातार तीन बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है, परंतु आज भी प्रदेश विकास की रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। लोगों की मूलभूत जरूरतों को भी सरकार पूरा नहीं कर पा रही है। अपराधों और महिला अपराध की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे जंगलराज जैसे हालात बन रहे हैं। जनविरोधी फैसले जनता को परेशान कर रहे हैं। भाजपा की नीतियों से तंग आ चुकी प्रदेश की जनता कांग्रेस की ओर नजरें टिकाए बैठी है। इस मौके पर बड़ी संख्या में आसपास के गांवों के लोग मौजूद थे।

'योगियों का जीवन परिचय' पुस्तक के अंग्रेजी संस्करण |

'बायोग्राफी ऑफ योगीज' का हुआ विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में 'योगियों का जीवन परिचय' पुस्तक के अंग्रेजी संस्करण 'बायोग्राफी ऑफ योगीज' का विमोचन किया गया। पुस्तक के लेखक विश्व प्रसिद्ध योगगुरु डा. सोमवीर आर्य और डा. धर्मवीर यादव हैं। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से योग आचार्य, योग शिक्षकों, विद्यार्थियों व योग नैचुरोपैथी विशेषज्ञों ने शिरकत की। इस मौके पर सूरीनाम देश में बतौर भारतीय संस्कृति के निदेशक के रूप में कार्यरत डा. आर्य ने कहा कि योगियों का जीवन परिचय पुस्तक, हिंदी भाषा में उपलब्ध थी तथा कॉलेजों व विश्विद्यालयों के योग विद्यार्थियों के अलावा अन्य विषय के विद्यार्थियों को भी पढ़ाई जाती थी। इस पुस्तक के चतुर्थ संस्करण का विमोचन किया गया है। बहुत समय से देश विदेश में इस पुस्तक की अन्य भाषाओं में मांग हो रही थी। पुस्तक को बायोग्राफी ऑफ योगीज नाम से अंग्रेजी भाषा में उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी भाषा के अलावा देश विदेश की अन्य भाषाओं में भी इस पुस्तक का अनुवाद चल रहा है। पुस्तक में 33 योगियों का उनके जन्म के क्रम अनुसार विवरण दिया गया है। पुस्तक में सभी योगियों के जीवन से जुड़ी हुई प्रेरणादायक कहानी, उनकी योग शिक्षण विधि, योग साधना, उनसे जुड़े हुए संस्थान की जानकारी दी गई है। यह पुस्तक योग में स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, डिग्री, वाईसीबी एवं अनुसंधान करने वाले विद्वानों के साथ-साथ सामान्य व्यक्ति के लिए बहुत ही उपयोगी है। इस मौके पर रेवाड़ी से आचार्य योगेंद्र, डा. रमेश, आचार्य प्रशांत, दिल्ली से गुरुकुल के संचालक आचार्य योगेश, महेंद्रगढ़ से प्रसिद्ध नैचुरोपैथी विशेषज्ञ डा. भंवर सिंह कसाना, सोहना से योग नैचुरोपैथी विशेषज्ञ विजेता आर्य, मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान से योग चिकित्सक राहुल चौहान, बाल मंडल अधिकारी कमलेश शास्त्री, आदि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। पुस्तक का विमोचन करते योग आचार्य। फोटो : हरिभूमि

योगियों को जाने बिना योग अधूरा : डा. धर्मवीर

डा. धर्मवीर ने कहा कि योगियों को जाने बिना योग अधूरा है। आज सभी कॉलेजों व विश्विद्यालयों में योगियों के परिचय को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। राज्य सभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने दोनों लेखकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि देश के सभी संस्थानों में ऐसे आदर्श योगियों के जीवन परिचय को अवश्य पढ़ाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने संस्कारों और परंपरा के साथ जुड़कर योग को अपने जीवन का हिस्सा बना सकें।

रेवाड़ी। कैंप में मरीज को परामर्श देते डा. एच आर यादव। फोटो : हरिभूमि

यादव सभा के कैंप में 126 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमे मरीजों को उचित परामर्श देने के साथ फ्री दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में 126 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। डा. एच आर यादव यादव ने मेडिसन, डा. अनिल यादव यादव ने हड्डी रोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. अजीत यादव ने बाल रोग, डा. योगेन्द्र यादव ने चर्म रोग व डा. विद्गुला यादव ने नेत्र रोग के मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। कैंप में लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने भी फ्री फिजियोथेरेपी सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में सभा प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह यादव, डा. यशपाल यादव, शशिभूषण यादव, सुरेंद्र सिंह, प्रो. सतीश यादव, गोकल राम व राम सिंह से सहयोग प्रदान किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी विद्यालय में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यदुवंशी विद्यालय में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक मौजूद थे। अभिभावकों नं अपने बच्चों की प्रगति रिपोर्ट ली। शिक्षकों ने अभिभावकों की समस्याओं का निवारण किया। विद्यालय प्राचार्य सुकेंद्र सिंह व विद्यालय डीन मुकेश यादव ने सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया तथा समय-समय पर विद्यालय में आने के लिए आह्वान किया। विद्यालय चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि अभिभावकों का सहयोग ही बच्चों आगे बढ़ाने में प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम आसपास के दर्जनों गांवों लोगों बाबा का आशीर्वाद लिया

बाबा जाहरवीर के मेले में उमड़ी भीड़ रागनी कम्पीटिशन ने बांधा समां

- मेले में बाबा जाहरवीर का निशान लेकर पहुंचे भक्तों का ग्रामीणों ने स्वागत किया व पुरस्कृत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के गांव कढ़ू भवानीपुरा में रविवार को बाबा जाहरवीर गोगाजी के मेले, भंडारा व रागनी कम्पीटिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के दर्जनों गांवों के सैकड़ों लोग पहुंचे और बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यातिथि विधायक डा. कृष्ण कुमार व जिला परिषद के चेयरमैन मनोज यादव थे। मंदिर कमेटी सदस्यों व ग्रामीणों ने उनका फूल मालाएं पहनाकर व पगड़ी बांध कर स्वागत किया। मेले में बाबा जाहरवीर का निशान लेकर पहुंचे भक्तों का ग्रामीणों ने स्वागत किया और पुरस्कृत किया। रागनी कम्पीटिशन में कलाकारों ने बाबा जाहरवीर का गुणगान किया। मुख्यातिथि ने मंदिर व गांव के विकास के लिए धनराशी देने की घोषणा की। इस मौके पर हरिओम सोनी ने मंदिर कमेटी सदस्यों को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

रेवाड़ी। मंदिर कमेटी के सदस्यों को सम्मानित करते हुए हरिओम सोनी।

वन स्टॉप सेंटर कर्मचारियों को पांच माह से वेतन नहीं, आर्थिक संकट गहराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से महिलाओं की सुरक्षा के लिए संचालित वन स्टॉप सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों को पिछले पांच माह से वेतन नहीं मिला हैं। समय पर वेतन न मिलने से कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और कई परिवार रोजमर्रा के खर्च पूरे करने में भी कठिनाई झेल रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उच्च अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद केवल टेक्निकल इश्यू का हवाला देकर मामला टाला जा रहा है, जबकि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय दिल्ली द्वारा बजट हरियाणा सरकार को जारी किया जा चुका है, लेकिन विभाग ने अब तक जिला स्तर पर राशि जारी नहीं की गई है। वर्ष 2021 में सिक्योरिटी गार्ड और मल्टी पर्पज वर्कर का वेतन डीसी रेट से घटाकर फिक्स कर दिया गया था। इस फैसले के खिलाफ निदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इस वजह से कर्मचारियों की आय में कमी आई और परिवार का भरण-पोषण करना और मुश्किल हो गया। वन स्टॉप सेंटर वर्ष 2015 से पीड़ति महिलाओं को त्वरित सहायता उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन यहां कार्यरत कर्मचारियों के लिए न तो बीमा का प्रावधान है और न ही किसी अनहोनी की स्थिति में आर्थिक सहायता मिल रही है। वर्तमान में हरियाणा के ओएससी में कुल 141 मैनपावर है।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। गायों का चारा खिलाते हुए मीना चौधरी। फोटो :हरिभूमि

गोशाला में गायों की सेवा करके मनाई जन्माष्टमी

रेवाड़ी। जन्माष्टमी के पावन पर्व पर शहरवासियों में उत्साह देखने को मिला। सेक्टर-4 निवासी मीना चौधरी ने कहा कि जन्माष्टमी का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़ा है और उनका गायों के साथ गहरा संबंध रहा है। उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती गोशाला में गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाकर जन्माष्टमी का पर्व मनाया। उन्होंने कहा कि लोगों को हर उत्सव पर फिजूलखर्ची करने के बजाय गोमाता की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि बदलते समय के कारण गोवंश सड़कों पर बेसहारा घूमती दिखाई देती हैं, जिससे उनकी दुर्दशा हो रही है। ऐसे में मनुष्य को गायों के प्रति अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है।

रेवाड़ी। लक्ष्मी नारायण मंदिर में डांस बरती बच्ची व उपस्थित महिलाएं, जन्माष्टमी के पर्व पर अनाजमंडी शिव मंदिर में कान्हा बने बच्चे, बारा हजार दुर्गा मंदिर में श्रीकृष्ण-सुदामा की झांकी तथा मॉडल टाउन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में कार्यक्रम पेश करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं एवं बच्चों ने श्रद्धा के साथ कन्हैया का जन्मोत्सव मनाया

मंदिरों में देर रात्रि तक रही जन्माष्टमी पर्व की धूम, राधा-कृष्ण की झांकियों का मंचन

खास बातें

- श्रद्धालुओं ने लड्डू गोपाल को पालने में झुलाकर अपनी श्रद्धा दिखाई
- इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की आरती करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले के मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर शनिवार मध्यरात्रि तक कलाकारों व बच्चों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं पर आधारित झांकियों की प्रस्तुति दी। मॉडल टाउन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर, मोती चौक घंटेश्वर महोदव मंदिर, बारा हजारी दुर्गा मंदिर, बारा पत्थर भूतेश्वर महादेव मंदिर, सेक्टर-1 सोलहराही भूतेश्वर मंदिर, सेक्टर-3 राधा-कृष्ण मंदिर, कटला बाजार माता मंदिर, नई बस्ती मंसा माता मंदिर, गोकल बाजार स्थित हरिकीर्तन मंदिर, वैधवाड़ा स्थित शिव मंदिर, नई अनाजमंडी स्थित शिव मंदिर व मॉडल टाउन स्थित इस्कॉन मंदिर में पूरे दिन श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना के लिए भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने लड्डू गोपाल को पालने में झुलाकर अपनी श्रद्धा दिखाई।

इसके पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की आरती करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मोती चौक स्थित घंटेश्वर महादेव मंदिर कलाकरों ने भोले की बारात का मंचन किया। वहीं मॉडल टाउन राधा-कृष्ण मंदिर में कलाकारों ने श्री कृष्ण की लीलाओं पर आधारित नृत्य पेश किया।

शहर के गढ़ी बोलनी रोड स्थित बीएमजी सिटी स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में जन्माष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।

महिलाओं एवं बच्चों ने श्रद्धा के साथ कन्हैया का जन्मोत्सव मनाया। मंदिर के पुजारी प्रकाश मिश्रा ने मध्यरात्रि आरती करके झूले पर विराजमान लड्डू गोपाल को 56 प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया और पूजा अर्चना की। बच्चों ने अनेक झांकियों का मंचन कर नृत्य की प्रस्तुति दी।

आरती के बाद श्रद्धालुओं को रात के समय धनिया की पंजेरी एवं चरणामृत का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर राधेश्याम गुप्ता, शक्ति यादव, रमेश शर्मा, अनिल किसनानी, महेंद्र गोयल, दीपक भारद्वाज, एडवोकेट अश्वनी तिवारी व सुनील अग्रवाल सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद थे।

रेवाड़ी। मॉडल टाउन स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में आयोजित हुआ कार्यक्रम

श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से पूरी मानवता के लिए गीता के कर्म योग का संदेश दिया: गुप्ता

- कान्हा जी ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन धारण कर प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार का पंजाबी धर्मशाला में भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आईएमए के सचिव डा. मनीष तनेजा, भारत विकास परिषद के संरक्षक रमेश सचदेवा, नवप्रेरणा के प्रधान हरीश मलिक व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि श्री कृष्ण ने जेल की कोठरी में अवतार लिया। उनके अवतार लेते ही मां देवकी व नंद बाबा की हथकड़ियां खुल गई, जेल के ताले टूटकर गिर गए। उन्होंने कहा कि जीवन की विपरीत परिस्थितियों में जो अपने सत्य संकल्प पर दृढ़ता पूर्वक अडिग रहते है, ऐसे व्यक्तित्व ही समय की धारा को नया मोड़ प्रदान करते हैं। कान्हा जी ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन धारण कर प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव व शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल ने कहा कि कुरूक्षेत्र के मैदान में सेनाएं दोनों ओर से युद्ध के लिए आमने-सामने डटी हुई है। ऐसे में अर्जुन को मोह हुआ। भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से पूरी मानवता के लिए गीता के कर्म योग का सुंदर संदेश दिया। महिला प्रधान निशा सीकरी, महिला संयोजक शशि जुनेजा, शिक्षाविद मधु गुप्ता व पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज ने भी अपने विचार व्यक्त किए। ओजस्वी व पूर्वांशी ने कान्हा व राधा की भूमिका में सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। संस्था की ओर से उल्लेखनीय सेवाओं के लिए प्रफुल्ल श्याम, समाजसेवी अनिल आर्य, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, उप प्रधान हेमंत ग्रोवर व कुलदीप सोनी को सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को श्री कृष्ण, राम दरबार व शिव परिवार के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम नंदवानी, उर्मिला मेहंदीरत्ता, देवेंद्र कुमार, साहिल, कपिल कपूर, प्रीति, सोनिया कपूर व रामरतन यादव सहित अनेक लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

संजना ने राष्ट्रीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में जीता सिल्वर मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

कृष्णा आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बहोतवास भौंदू की छात्रा कुमारी संजना ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया है। प्रतियोगिता देहरादून में आयोजित हुई थी। संजना ने सिल्वर मेडल प्राप्त करके अपने माता पिता, स्कूल, गांव व हरियाणा का नाम रोशन किया है। संस्था के चेयरमैन अमित यादव पूर्व जिला पार्षद ने छात्रा को पगड़ी पहना कर एवं संस्था के डायरेक्टर सुनीता यादव ने शाल भेंटकर सम्मानित किया। चेयरमैन अमित यादव ने कहा कि सामान्य परिवार में जन्मी छात्रा ने इतिहास रच दिया है, जोकि सभी के लिए गर्व की बात है। सभी विद्यार्थियों को संजना से प्रेरणा लेनी चाहिए। संस्था के निदेशक रविन्द्र आशावादी ने छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रिंसिपल रविंद्र सिंह ने मंच संचालन किया। इस मौके पर वाइस प्रिंसिपल रंजीत सिंह, पवनकुमार, राकेश यादव,नरेंद्र कुमार, राजवीर, सतपाल, बाबू अनिल, मनीषा, शर्मिला, प्रीतम, सुशीला संगीता, सुमन, सुनीता, रेखा,आशा, पूजा व सीमा उपस्थित थे।

रेवाड़ी। छात्रा संजना को सम्मानित करते हुए स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। मंदिर में लड्डू गोपाल को झूला झुलाते हुए श्रृद्धालु। फोटो : हरिभूमि

राजस्थान के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की दी मनोहारी प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

धोलिया कुआं स्थित मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। यंगमेंस एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित स्वामी व एडवोकेट मोनू राव ने लड्डू गोपाल को झूला झुलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर स्वामी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बांसुरी से प्रेम, स्नेह और सौहार्द का संदेश दिया तथा समय आने पर अत्याचारियों का विनाश भी किया। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के श्लोकों से जीवन की सार्थकता और सच्चाई को पूरे विश्व के समक्ष रखा। राजस्थान से छोटू सुदामा एंड पार्टी के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की मनोहारी प्रस्तुतियां देकर श्रृद्धालुओं को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर मंदिर कमेटी प्रधान जगदीश प्रसाद बंसल, सुनील राव, दिनेश कुमार पाल्हावासिया, मोहनलाल गुप्ता, बबली, हुक्म सिंह गुर्जर तथा आयोजन समिति के सदस्य सोनू गुप्ता, सुनील गुप्ता, रिपुल गुप्ता, सोनू यादव, सोनू गोयल, यशवंत शर्मा, अरविंद अग्रवाल, विशाल राठी, सौरभ गोयल व जितेन्द्र अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित थे। मंच संचालन सुभाष सोनी ने किया। मध्यरात्रि को पंड़ति जगमोहन दत्तात्रेय ने आरती के बाद भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया।

पिछड़ा वर्ग को नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा हरियाणा की ओर से रिटायर्ड ईओ एडवोकेट मनोज यादव के नेतृत्व में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव व विधायक लक्ष्मण सिंह यादव को प्रथम व द्वितीय श्रेणी की नौकरियों में हरियाणा के पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

मोर्चा के सदस्यों ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है और गुरुग्राम में हुए सम्मेलन में घोषणा की थी कि प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी की नौकरियों में भी हरियाणा के पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा, लेकिन अभी तक इसके बारे कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तर्ज पर हरियाणा के पिछड़ा वर्ग को प्रथम एवं द्वितीय वर्ग की नौकरियों में भी 27 प्रतिशत (16 प्रतिशत बीसीए तथा 11 प्रतिशत बीसीबी) आरक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा वर्तमान में प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी की नौकरियों के लिए जो विज्ञापन जारी किए गए हैं,उनमें पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान करके पुनः प्रकाशित किया जाए।

इस मौके पर आर डी जांगड़ा, लोकेश रोहिल्ला, संजय प्रजापति, कृष्ण कुमार योगी, दीपक सैनी, कैलाश यादव, सुरेन्द्र यादव, विजयपाल यादव, दयानन्द जांगिड़, संजय रोहिल्ला व रमेश सैन सहित पिछड़ा समाज के काफी सदस्य मौजूद थे।

रेवाड़ी। स्वास्थ्य मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए पिछड़ा वर्ग के लोग। फोटो : हरिभूमि

ग्रामीणों ने पीथड़ावास में चलाया पौधरोपण अभियान

रेवाड़ी। गांव पीथड़ावास में रविवार को ग्रामीणों की ओर से पौधरोपण अभियान चलाया गया। समाजसेवी अमृत कुमार ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में गांव के सरकारी स्कूल में 21 नीम के पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया। इस मौके पर एडवोकेट हुकम चंद ने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष अवसरों पर पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि नीम, पीपल व बरगद के पेड़ ऑक्सीजन के बड़े स्रोत हैं। इस अवसर पर प्रवक्ता यशवंत राव, चंचल राव सदस्य हिंदू युवा वाहिनी, भूपेंद्र सिंह व प्रवेश कुमार सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। गांव में पौधारोपण करते हुए ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। जन्माष्टमी का पर्व मनाते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

लोगों के जीवन में आस्था और सकारात्मकता का संचार करते धार्मिक आयोजन: वशिष्ठ

- पंजाबी मार्केट में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पंजाबी मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से शनिवार रात्रि जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। मध्यरात्रि पर भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर केक काटा गया। इस मौके पर संस्था के प्रधान सुरेंद्र वशिष्ठ ने कहा कि धार्मिक आयोजन लोगों के जीवन में आस्था और सकारात्मकता का संचार करते हैं। जन्माष्टमी जैसे पर्व समाज में प्रेम, भाईचारा एवं एकता का भाव मजबूत करते हैं। ऐसे अवसर न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि समाज को संगठित और संस्कारित बनाने का भी कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में संरक्षक विनोद अरोड़ा, महासचिव राजीव आहूजा, उपप्रधान लव खरबंदा, सचिव रवि कुकरेजा, सह सचिव दिनेश प्रजापत, दलीप कालड़ा, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार सचदेवा, सह कोषाध्यक्ष हरीश आहूजा, कार्यक्रम संयोजक लोकेश मेहंदीरत्ता, सलाहकार रमेश चक्रवर्ती, सुनील वर्मा, नरेश गुलयानी, विजय अरोड़ा, किशन खुराना, रमन मनोचा, विक्की लखानी, मुरलीधर, सौरभ वर्मा, मोहम्मद समसूद्दीन, बलबीर सिंह मल्होत्रा व नरेश मेहंदीरत्ता सहित अनेक लोग मौजूद थे।

बव्वा में निःशुल्क योग विज्ञान शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

गांव बव्वा स्थित शीतला माता मंदिर में निःशुल्क योग विज्ञान शिविर का आयोजन किया गया। भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी दयानंद आर्य के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पार्षद विनोद गोलिया ने की। कार्यक्रम में निशांत यादव अध्यक्ष नई दिशा युवा मंच ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मुख्य अतिथि ने कहा कि योग हमारी संस्कृति का परिचायक है। हमे नियमित रूप से योग प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए। योग प्राणायाम से हमारा शरीर स्वस्थ और सुड़ोल रहता है। सरपंच सुनीता देवी ने अतिथियों का अभिनंदन किया। अतिथियों ने बलिदानी गो रक्षक देवेंद्र यादव उर्फ सोनू सरपंच फिदेड़ी के पिता शीशराम यादव को भी सम्मानित किया तथा एक पौधा अमर शहीदों के नाम लगाया। नरेश यादव डायरेक्टर विवेकानंद स्कूल ने योग प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर सरोज आर्य महिला प्रभारी पतंजलि योग समिति, सरोज यादव तहसील प्रभारी पतंजलि योग समिति धारूहेड़ा, अमित यादव पूर्व पार्षद, राज सिंह आर्य किसान प्रभारी पतंजलि योग समिति, सोमदत्त आर्य तहसील प्रभारी भारत स्वाभिमान कोसली, श्याम सुंदर जिला अध्यक्ष हिंदू युवा वाहिनी, गोपीराम यादव सरपंच प्रतिनिधि, बाबूलाल आर्य, सुरेंद्र यादव प्रवक्ता, राजकुमार शास्त्री, अशोक आर्य, जितेंद्र आर्य, रोशनलाल आर्य, सूबेदार हरिसिंह, पंडित दुलीचंद, राकेश यादव, तुलाराम यादव व मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में पौधारोपण करते हुए समिति के सदस्य।

डेंगू का डंक | अगस्त में लगातार आ रहे डेंगू के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है

डेंगू का लगातार बढ़ रहा खतरा, चार पॉजिटिव मरीज और मिलने से 57 पर पहुंची संख्या

- निजी व सरकारी अस्पतालों में खासी, जुकाम व बुखार के मरीज भी लगातार बढ़ रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

पिछले दिनों हुई बरसात के बाद जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे डेंगू का लार्वा भी एक्टिव हो गया है। अगस्त माह में लगातार आ रहे डेंगू के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। लोगों के लिए भी डेंगू का एडीज मच्छर खतरा बनता जा रहा है। निजी व सरकारी अस्पतालों में खासी, जुकाम व बुखार के मरीज भी लगातार बढ़ रहे है। रविवार को डेंगू के 4 पॉजिटिव मरीज और मिलने से सीजन में संख्या 57 पर पहुंच गई है। इसके अलावा अब तक मलेरिया के भी 11 केस मिल चुके है। स्वास्थ्य विभाग के ब्रीडिंग चेकर घरों में कूलर, पानी की टंकी, फ्रीज -ट्रे व पशुओं की खेल में भरे हुए पानी में लार्वा की जांच कर रहे है। जांच के दौरान मच्छर का लार्वा मिलने पर लोगों को नोटिस भी दिए जा रहे है। स्वास्थ्य विभाग की टीम अभी तक लार्वा मिलने पर 1572 लोगों को नोटिस दे चुकी है।

मलेरिया हेल्थ इंस्पेक्टर बिजेन्द्र सिंह ने बताया अब तक 1499254 घरों में मॉस फीवर सर्वे किया जा चुका है। अब तक डेंगू संभावित बुखार पीड़ति 1715 लोगों के सेंपल भी लिए जा चुके है। अभी तक शहर में 13, सीएचसी गुरावड़ा में 5, सीएचसी मीरपुर में 5, सीएचसी बावल में 17 व सीएचसी खोल में 17 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिल चुके है। लार्वा की रोकथाम के लिए दवा का छिड़काव किया जा रहा हैं। लोगों को भी डेंगू व मलेरिया के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। डेंगू व मलेरिया बीमारियों से बचाव के लिए घरों में व आसपास साफ-सफाई रखे। ठहरे हुए पानी में काला तेल डाले। घरों के बर्तन, कूलर, पानी की टंकी व पशुओं की खेल की सफाई करते रहे, जिससे मच्छा का लार्वा न पनप सकें।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि